

राजनीति-विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध (प्रश्न-पत्र-II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS (PAPER-II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Answer the following in about 150 words each :

10×5=50

- (a) तुलनात्मक राजनीति की विषयवस्तु की विवेचना कीजिए। तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण की सीमाओं को रेखांकित कीजिए।

Discuss the subject matter of comparative politics. Outline the limitations of comparative political analysis.

- (b) भारतीय राज्यव्यवस्था के जनतंत्रीकरण में उदार लोकतांत्रिक सिद्धांतों के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

Analyze the contribution of liberal democratic principles in the democratization of Indian polity.

- (c) क्या विकासशील समाजों में वंचितों की राजनीतिक प्रक्रिया में बढ़ती हुई भागीदारी ने प्रजातंत्र को सुदृढ़ता प्रदान की है या इससे राजनीतिक अराजकता एवं संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हुई है? टिप्पणी कीजिए।

Has the increased participation of the underprivileged in the political process of the developing societies strengthened democracy or created political chaos and conflict? Comment.

- (d) दक्षिण वैश्विक राष्ट्रों के परिप्रेक्ष्य से उन पर पड़नेवाले वैश्वीकरण की प्रक्रिया के प्रभावों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine the impact of the process of globalization from the perspective of the countries of the Global South.

- (e) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के लिए आदर्शवाद के दृष्टिकोण की मूल मान्यताएँ क्या हैं? शांति स्थापना के लिए इसकी सतत प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।

What are the core assumptions of idealism as an approach to study International Relations? Explain its continuing relevance in peace building.

2. (a) शक्ति के संतुलन की संकल्पना की व्याख्या कीजिए। शक्ति के संतुलन को बनाए रखने के लिए कौन-कौन सी विभिन्न तकनीकें अपनाई जाती हैं?

Explain the concept of balance of power. What are the various techniques of maintaining balance of power?

20

- (b) सामूहिक सुरक्षा को लेकर यू० एन० चार्टर के सिद्धांतों के प्रचालन से संबंधित चुनौतियों का वर्णन कीजिए।

Enumerate the challenges in the operation of the principles related to collective security in the UN Charter.

15

- (c) चीन एवं अमेरिका के बीच की रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता की दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र के लिए विवक्षा (मंशा) क्या है, समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Critically analyze the implications of Sino-American strategic rivalry for the South and South-East Asian region.

15

3. (a) विकासशील देशों के समक्ष चुनौतियों को संबोधित करने के लिए गुटनिरपेक्ष आन्दोलन (नाम) को सुदृढ़ करने के तरीकों की विवेचना कीजिए।

Discuss the ways to strengthen the Non-Aligned Movement (NAM) to enable it to address the challenges faced by the developing countries.

20

- (b) विश्व व्यापार संगठन के विवाद निष्पादन तंत्र में अमेरिका की भूमिका का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए तथा विश्व व्यापार संगठन के भविष्य के लिए इसकी मंशा (निहितार्थ) बताइए।

Critically evaluate the role of the United States of America in the World Trade Organization (WTO) dispute settlement mechanism and its implications for the future of the WTO.

15

- (c) विकासशील राष्ट्रों द्वारा नव अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था [न्यू इंटरनेशनल इकनॉमिक ऑर्डर (एन० आइ० ई० ओ०)] की माँग की सार्थकता एवं महत्त्व की व्याख्या कीजिए। क्या वे भावी भविष्य में एन० आइ० ई० ओ० के उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते हैं?
- Explain the significance and importance of the demand raised by the developing countries for a New International Economic Order (NIEO). Are they likely to achieve their objectives of NIEO in foreseeable future? 15
4. (a) संयुक्त राष्ट्रसंघ के सुरक्षा परिषद् में सुधारों के महत्त्व एवं इसकी तात्कालिकता की विवेचना कीजिए। संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव अंतोनियो गुटेरेस द्वारा विकासशील राष्ट्रों के लिए दिए गए सुधार प्रस्ताव की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।
- Discuss the significance and urgency of the UN Security Council reforms. Explain the relevance of the reform proposals made by the UN Secretary-General António Guterres for the developing countries. 20
- (b) आर्थिक सहयोग एवं व्यापार के माध्यम से क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए आसियान की भूमिका का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
- Critically analyze the role of ASEAN in the promotion of regional peace and security through economic cooperation and trade. 15
- (c) वैश्विक पर्यावरण संकट का सामना करने हेतु जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्रसंघ के फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यू० एन० एफ० सी० सी० सी०) की भूमिका तथा संयुक्त राष्ट्रसंघ के अन्य मुख्य प्रयासों का परीक्षण कीजिए।
- Examine the role of the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC) and other major efforts by the UN to address the global environmental crisis. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Answer the following in about 150 words each :

10×5=50

- (a) भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् की संरचना एवं उसके प्रकार्य का वर्णन कीजिए। भारत की विदेश नीति के निर्माण में इसकी क्या भूमिका रहती है?
- Describe the structure and function of the National Security Council of India. What role does it play in the formulation of Indian foreign policy?
- (b) सार्क क्षेत्र में व्यापार के कम मात्रा के होने के कारणों को रेखांकित कीजिए।
- Outline the reasons of low volume of trade in the SAARC region.
- (c) भारत एवं बांग्लादेश के संबंधों पर जल-राजनीति (हाइड्रोपॉलिटिक्स) के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।
- Analyze the impact of hydropolitics on Indo-Bangladesh relations.
- (d) नए नेपाली मानचित्र के हाल के प्रकाशन में गलत तरीके से भारतीय भूखंड को नेपाल का हिस्सा दर्शाया गया है। इस संदर्भ में भारत एवं नेपाल के संबंधों के भविष्य की संभावनाओं की विवेचना कीजिए।
- Discuss the future prospects of Indo-Nepal relations in the context of the recent publication of new Nepalese map wrongly claiming Indian territory.
- (e) सीमापार आतंकवाद (क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म) कैसे दक्षिण एशिया में शांति एवं सुरक्षा की उपलब्धियों को बाधित करता है?
- How does cross-border terrorism impede the achievements of peace and security in South Asia?

6. (a) भारत-अफ्रीका संबंधों के मार्गदर्शक सिद्धांत किस तरह से भारत तथा अफ्रीका के मध्य सामंजस्य एवं आपसी सहयोग बढ़ाते हैं?
How do the guiding principles of India-Africa relations seek to enhance harmony and mutual cooperation between India and Africa? 20
- (b) भारत एवं जापान के बीच हाल ही में हुई संधि या एक्विजिशन ऐन्ड क्रॉस-सर्विसिंग अग्रीमेन्ट (ए० सी० एस० ए०) की उल्लेखनीय विशेषताएँ क्या हैं? यह भारत की सुरक्षा चिंता का समाधान कैसे करेगा?
What are the notable features of the recently concluded pact or the Acquisition and Cross-Servicing Agreement (ACSA) between India and Japan? How is it likely to address the security concerns of India? 15
- (c) भारत एवं अमेरिका की सामरिक साझेदारी (पार्टनरशिप) के महत्त्व तथा भारत की सुरक्षा एवं राष्ट्रीय प्रतिरक्षा के लिए इसके निहितार्थ की विवेचना कीजिए।
Discuss the significance of Indo-US strategic partnership and its implications for India's security and national defence. 15
7. (a) वास्तविक नियंत्रण रेखा [लाइन ऑफ़ ऐक्चुअल कंट्रोल (एल० ए० सी०)] पर हाल की भारत एवं चीन के बीच उभरती हुई चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की रक्षा एवं विदेश नीति के विकल्पों की व्याख्या कीजिए।
Explain the defence and foreign policy options of India to address the challenges emerging out of the current India-China standoff at the Line of Actual Control (LAC). 20
- (b) संयुक्त राष्ट्रसंघ के सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता हेतु भारत के दावे के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।
Explain the importance of India's claim for a permanent seat in the UN Security Council. 15
- (c) भारत के पड़ोस से उभरती हुई सामरिक चुनौतियों के संदर्भ में, भारत द्वारा परमाणु हथियारों के प्रथम प्रयोग न करने (नो फ़र्स्ट यूज) की नीति की प्रभाविकता की विवेचना कीजिए।
Discuss the efficacy of India's 'no first use' policy (nuclear weapons) in the context of the evolving strategic challenges from its neighbours. 15
8. (a) “भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अफ़गानिस्तान की युद्ध-स्थिति अत्यन्त ही महत्त्वपूर्ण है। यदि अमेरिका, अफ़गानिस्तान से निकल गया एवं जिहादी वहाँ विजित हुए, तो भारत को उभरते हुए आतंकवाद का सामना करना पड़ेगा।” टिप्पणी कीजिए।
“The war in Afghanistan is crucial from the point of view of India's national security. If the Americans withdraw and Jihadis emerge with a sense of triumphalism, India will face increasing onslaught of terrorism.” Comment. 20
- (b) भारत एवं इज़राइल के बीच 2014 से सहयोग के मुख्य क्षेत्रों (सेक्टरों) को चिह्नित कीजिए। दोनों राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ बनाने में इनके सहयोग के महत्त्व का परीक्षण कीजिए।
Identify the key sectors of cooperation between India and Israel since 2014. Examine their significance in strengthening the bilateral ties between the two countries. 15
- (c) उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था (वर्ल्ड ऑर्डर) को दिशा एवं स्वरूप प्रदान करने में भारत की भूमिका का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
Critically examine the role of India in shaping the emerging world order. 15

★ ★ ★